ORIGINAL RESEARCH PAPER | Commerce | Volume - 7 | Issue - 1 | January - 2017 | ISSN - 2249-555X | IF : 3.919 | IC Value : 79.96

NRrhlx<+ jkT; esa [kfut dh fLFkfr ,oa mRiknu

KEYWORDS

Mk- ,p-,l- HkkfV;k

सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

निर्देशक

'ošrk frokjh

सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल महाविद्यालय,रायपुर (छ.ग.)

शोधकर्ता

iLrkouk %&

खनिज संसाधन मानव सभ्यता एवं संस्कृति के आधारभूत स्तंभ माने जाते है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी प्राकृतिक संपदा के दोहन पर निर्भर करती है। प्राचीन काल से ले कर वर्तमान तकनीकी एवं वैज्ञानिक युग में खनिजों का उपयोग निरंतर किसी ना किसी रूप में होता चला आ रहा है। राष्ट्र की आर्थिक संरचना पर औद्योगीकरण का विशिष्ट प्रभाव पडता है, इसलिए आधुनिक भारत के शिल्पी पं. जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि "भारत के उद्योग एवं कारखाने ही इसके तीर्थ स्थल एवं मंदिर हैं।" इस कथन से औद्योगिक विकास की आवश्यकता एंव महत्व स्पष्ट है।

"आकर प्रभवः कोश" अर्थात खान कोश का स्त्रोत हैं। कौटिल्य अर्थशास्त्र की यह उक्ति आज की परिस्थितियों में भी खनिज संपदा से परिपूर्ण हमारे छत्तीसगढ राज्य के लिए प्रासंगिक है। आज के औद्योगिक युग में खनिजों का संसाधनों की उपयोगिता इतनी बढ गई है कि कोई भी राष्ट्र इसके बिना अपना आर्थिक विकास नहीं कर सकता।

छत्तीसगढ राज्य खनिज संपदा की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है। खनिज उत्पादन की दृष्टि से इसका संपूर्ण राष्ट्र में द्वितीय स्थान है। इस नवसृजित राज्य में औद्योगिक महत्व के खनिजों यथा कोयला, लोहा, बाक्साइट, चूनापत्थर, डोलोमाइट के विशाल भंडार मौजूद है। इनके अतिरिक्त आर्थिक महत्व का खनिज स्वर्ण, सामरिक महत्व का खनिज टिन अयस्क तथा रत्न सम्राट हीरा भी यहां पाया जाता है। इस प्रदेश का 44% से अधिक भाग वनप्रान्तों से आच्छादित है, तथा अधिकांश खनिज पदार्थ इन्ही वनप्रान्तरों एवं पहाडियों में पाये जाते हैं। छत्तीसगढ राज्य खनिज संपदा की दृष्टि एक अग्रणी राज्य है। प्रदेश में लगभग 28 विभिन्न प्रकार के खनिज पाये जाते है जिनमें बहूमूल्य रत्न भी सम्मिलित है। प्रदेश पूरे राष्ट्र में एकमात्र टिन उत्पादक राज्य है, तथा इसे विश्व के बेहतरीन लौह अयस्क धारित राज्य की उपाधी व गौरव भी प्राप्त है। राज्य में कोयले के 50846 मिलियन टन भण्डार है व राष्ट्र के कुल कोयला उत्पादन में राज्य की सहभागिता 21.10% है। लौह अयस्क भण्डार राष्ट्रीय लौह अयस्क का 18.21% योगदान दे रहा है।

आर्थिक महत्व वाले स्वर्ण, सामरिक महत्व के खनिज जैसे टिन,रत्न सम्राट हीरा भी यहां पाया जाता है । इस प्रदेश का 44 प्रतिशत से अधिक भाग वनप्रांतो से आच्छादित है तथा अधिकांश खनिज पदार्थ इन्ही वनप्रांतों एवं पहाड़ियों मे पाये जाते है । छत्तीसगढ़ राज्य खनिज संपदा की दृष्टि से एक अग्रणी राज्य है । पूरे राष्ट्र में राज्य एकमात्र टिन उत्पादक राज्य है। खनिज संपदा की उपलब्धता की दृष्टि से भारत का यह क्षेत्र सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इसे भारतीय खनिज का हृदय स्थल कहा जाता है। यह आर्कियन शिल्ड़ क्षेत्र है जिसका संपूर्ण भाग उडीसा का पठार, छोटा नागपुर का पठार, छत्तीसगढ का उत्तरी भाग आदि से बना है । छत्तीसगढ के आग्नेय, कायांतरित और तलछटी क्षेत्रो में अनेक प्रकार के खनिज पाये जाते है। कोयला, कच्चा लोहा, चूना पत्थर, बॉक्साइट, डोलोमाइट तथा टिन के विशाल भंडार राज्य के विभिन्न हिस्से में प्रचुर मात्रा में है । यहां खनिज संसाधनों से उत्खनन, खनिज आधारित उद्योग लगाने और रोजगार को बढावा देने की अपार क्षमता है ।

NRrhlx<+ jkT; izeq[k [kfut HkaMkj

dz-	[kfut dk uke	bdkbZ	ns'k esa dqy HkaMkj	NRrhlx<+ esa dqy HkaMkj	ns'k esa N-x- dk izfr'kr
1	कोयला	मिलियन टन	306595.56	54912	17.91
2	लौह अयस्क (हेमेटाइट)	मिलियन टन	17882	3292	18.41
3	चूना पत्थर(सभी श्रेणी)	मिलियन टन	184935	8959	4.84
4	डोलोमाइट	मिलियन टन	7731	847	10.96
5	बाक्साइट	मिलियन टन	3480	171	4.91
6	टिन अयस्क	मिलियन टन	83.72	30	35.83
	टिन धातु	टन	102275	15487	15.14
7	क्वार्टजाइट	मिलियन टन	1251	27	2.16
8	क्वार्टज एण्ड सिलिका सेंड	मिलियन टन	3499	9	0.26
9	फलोराइट	मिलियन टन	18	0.55	3.06
10	हीरा	लाख कैरेट	319	13	4.07
11	फायर क्ले	मिलियन टन	714	21	2.94
12	(चायना क्ले)	मिलियन टन	2705	15	0.55
13	कोरण्डम	टन	740792	885	0.12
14	स्वर्ण ओर (प्रायमरी)	मिलियन टन	494	5	1.01
	स्वर्ण धातु (प्रायमरी)	टन	660	5.51	0.83
15	गारनेट	मिलियन टन	57	0.03	0.05
16	टाल्क/स्टीयटाइट सोपस्टोन	मिलियन टन	269	0.11	0.04
17	ग्रेनाइट	लाख घनमीटर	56230	50	0.11
18	मार्बल	मिलियन टन	1931	83	4.30

छत्तीसगढ राज्य में उपलब्ध मुख्य 28 खनिज में खनिज विपणन व खनन लगभग 20 प्रकार के खनिजों का किया जा रहा है, जिस हेतु राज्य के कुल खदानो की संख्या 202 है । छत्तीसगढ वन संपदा की भांति खनिज संपदा की दृष्टि से भी संपन्न क्षेत्र है । राज्य के विभिन्न प्रकार के खनिज पदार्थो की उपलब्धता राज्य के खनिज आधारित उद्योगों का बहुत विकास हुआ है । राज्य में धात्विक खनिज दक्षिण भाग में व अधात्विक खनिज मध्यवर्ती भाग में पाया जाता है। छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक प्रकार के खनिज बस्तर जिले में पाये जाते है ।

NRrhlx<+ dh [kfut lalk/kuksa dh fo'ks"krk,a %&

(1) खनिज संसाधन पूर्ण रूप से प्राकृतिक संसाधन है ।

(2) खनिज विभिन्न छततीसगढ़ में स्थित चट्टानों से बनते है ।

(3) छत्तीसगढ राज्य के खनिज संसाधन में बहुमूल्य रत्न शामिल है ।

(4) खनिज संसाधनों द्वारा उत्पादित धातु की सहायता से विद्युतीय संसाधनों का निर्माण किया जाता है

(5) खनिज संसाधन राष्ट्र व राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभता है ।

(6) खनिज संसाधन विदेशी विनिमय व घरेलू विनियमन में सहायक है ।

NRrhlx<+ jkT; dh [kfut lEink dk mRiknu &

भारत के खनिज क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ 'भारतीय खनिज के हृदयस्थल कहा जाता है । छत्तीसगढ़ के उत्तरपूर्वी व मध्य भाग से मिलकर भारत का संपूर्ण खनिज क्षेत्र बना है । खनिज पदार्थ प्रकृति के उपहार है । इनकी स्थिति अनादिकाल से है अतः इन्हें न तो बढाया जा सकता है और न प्रत्यारोपित किया जा सकता है ।यह उपभोग से निरंतर क्षय होने वाली प्राकृतिक संपदा है । छत्तीसढ़ राज्य इन प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुर मात्रा है । धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ को आज '' खनिज का कटोरा'', ''रत्नगर्भा छत्तीसगढ़ ''आदि विशेषणें से विभूषित किया जा रहा है । छत्तीसगढ़ अपने खनिज भण्डारों के लिए संसार भर में प्रसिद्ध है । खनिज संसाधन मानव सभ्यता एवं संस्कृति के आधर–भूत स्तंभ माने जाते है । किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी प्राकृतिक संपदा के दोहन पर निर्भर करती है । प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तकनीकी एवं वैज्ञानिक युग में खनिजों का उपयोग निरंतर किसी ना किसी रूप में होता चला आ रहा है ।आज के औद्योगिक युग में खनिज संसाधनो की उपयोगिता इतनी बढ़ गयी है कि कोई भी राष्ट्र इसके बिना अपना आर्थिक विकास नहीं कर सकता । छत्तीसगढ़ राज्य खनिज संपदा की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है खनिज उत्पादन की दृष्टि से संपूर्ण राष्ट्र में द्वितीय स्थान है । इस नवसृजित राज्य में औद्योगित महत्व के खनिज, कोयला, लोहा, बाक्साइट, चूनापत्थर, डोलोमाइट के विशाल भंडार उपलब्ध है ।

NRrhlx<+ esa [kfut mRiknu dh fLFkfr [kfut mRiknu ek=k& lexzokj ¼yk[k Vu esa½

foRrh; o"kZ	dks;yk	/kkfRod [kfut	v/kkfRod [kfut	xkS.k [kfut	;ksx
10&11	1138-24	314-30	208-34	207-80	1868-68
11&12	1139-18	328-20	217-52	227-94	1912-84
12&13	1178-38	297-81	221-42	194-19	1891-80
13&14	1270-93	314-70	236-56	227-83	2050-02
14&15	1343-96	309-84	259-69	226-18	2139-67

उपरोक्त तालिका मे देश में खनिज के कुल भंडार व छत्तीसगढ़ राज्य में कुल भंडार को दर्शाया गया है, व छत्तीसगढ़ का देश के कुल खनिज उत्पादन का प्रतिशत तालिका में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। तालिका में छत्तीसढ़ के खनिज उत्पादन की उत्तरोतर वृद्धि व देश में अपने खनिज संसाधनो की सहायता से राज्य की स्थिति प्रर्दशित है । जो कि देश की प्रगति में सहायक है।

Volume - 7 | Issue - 1 | January - 2017 | ISSN - 2249-555X | IF : 3.919 | IC Value : 79.96

fu"d"k &

छत्तीसगढ राज्य में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है जिसमें खनिज एक प्रमुख संसाधन है। इतनी विशाल खनिज संपदा से संपन्न होने के बावजूद भी हमारा राज्य आर्थिक रूप से संपन्न नही है । इस आर्थिक पिछडेपन को दूर करने हेतु तीव्रगति से औद्योगिकीकरण एक विकल्प के रूप में माना जा रहा है। खनिज आधरित उद्योगों, खनिज के पर्याप्त दाहन से राज्य के लोगो को पर्याप्त रूप से रोजगार मिल सकेगा। प्रदेश के विकास में सुदूर आदिवासी क्षेत्र में विकास की प्राथमिकता से वहॉ के उपलब्ध खनिजों का पर्याप्त दोहन हो सकेगा, व पर्याप्त दोहन व सर्वेक्षण से इन क्षेत्रो का विकास स्वतः हो जाएगा तथा क्षेत्र का सामाजिक व आर्थिक रूप से विकास होगा। खनिज संपदा विकास का प्रमुख संसाधन है। सर्वेक्षण वे गन्वेषण के सुनियोजित कार्यक्रमों के मध्यम से अधिकृत खनिज संपदाओं का दोहन किया जा सकता है विभिन्न खनिज दोहन विधियां खनन के प्रतिशत को निर्धारित करती है। खनन चुनौतियों को पूरा करने के लिए विभिन्न विशेषज्ञता को एकत्रित करना आवश्यक है। राज्य में उपलब्ध अकूत प्राकृतिक संपदा एवं खनिज संपदा के पर्याप्त दोहन से राज्य के विकास में उत्तरोत्तर वृद्धि की जा सकती है ।

lnfHkZr xzFk lph (REFERENCES:)

1 इंडियन मिनरल इयर बुक 2012 (प्रकाशित मार्च 2014 अनुसार)
2. 01.04.2015 स्थिति में (Inventory of Coal Resources (GSI) दिनांक 06.06.2015
3. भारत की खनिज संपदा भारत शासन नई – दिल्ली
4. छततीसगढ़ की खनिज संपदा एवं खनिज आधारित उद्योग
5. खनिज सांख्यिकी 2009 एवं 2012
6. www.mines.nic.in
7. www.chhattisgarh.nic.in
8. www.chhttisgarhmines.gov.in
9. www.ministryofmines.in
10. www.mines.nic.in